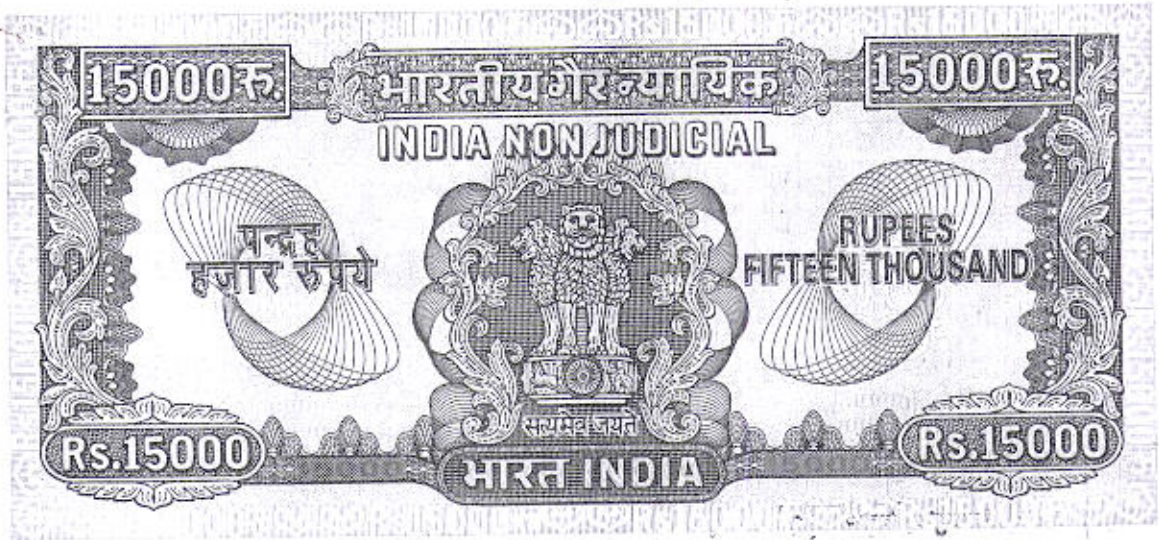


I-6079/10



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

107536

SEP 2010

91

K # 159, 0.011

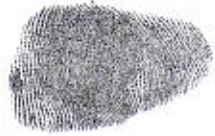


विक्रय-पत्र

लेख पत्र का संक्षिप्त विवरण

- | | |
|--|------------------------|
| 1. भूमि का प्रकार | : कृषि |
| 2. परगना | : मोहनलालगंज |
| 3. ग्राम | : माढरमऊ कला |
| 4. सम्पत्ति का विवरण
(सम्पत्ति नं०) | : भूमि खसरा संख्या-159 |
| 5. मापन की इकाई | : हेक्टेअर |

देशराज



6100/



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

T 089628

3 JUL 2010

उत्तर प्रदेश सरकार
मुख्य सचिव
लखनऊ

- 2 -

- | | | |
|-----|-------------------------------|------------------|
| 6. | विक्रीत सम्पत्ति का क्षेत्रफल | : 0.071 हेक्टेअर |
| 7. | सम्पत्ति का प्रकार | : कृषि |
| 8. | पेड़ों का मूल्यांकन | : कुछ नहीं |
| 9. | बोर्डिंग/कुआ/अन्य | : कुछ नहीं |
| 10. | प्रतिफल की घनराशि | : रु0 3,00,073/- |
| 11. | मालियत | : रु0 1,27,800/- |
| 12. | स्टाम्प | : रु0 21,100/- |

चौहद्दीखसरा नं०-159

- | | |
|--------|-----------------------------|
| पूरब | : खसरा संख्या-190 |
| पश्चिम | : खसरा संख्या-160, 161 |
| उत्तर | : खसरा संख्या-157, 158, 191 |
| दक्षिण | : खसरा संख्या-180, 181, 182 |

देशराज



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AL 119425

- 4 -

जिला-लखनऊ, जिन्हे आगे विक्रेता कहा गया है, एवम् सर्वजीत पुत्र दुर्जन, निवासी- ग्राम व पोस्ट-347 कपेरा, मदारपुरा, मोहनलालगंज, लखनऊ, जिन्हें आगे क्रेता कहा गया है, के मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेता भूमि खसरा संख्या-159 कुल रकबा 0.911 हेक्टेअर का भाग रकबा 0.071 हेक्टेअर, स्थित-ग्राम-माढरमऊ कला, परगना व तहसील- मोहनलालगंज, जिला लखनऊ, का मालिक, कामिल व काबिज है। उक्त भूमि को

देशराज

[Signature]

विक्रेता ने बजरिये पंजीकृत विक्रय विलेख मेडीलाल पुत्र धनपति, मंहगू व रामकुमार पुत्रगण शिवनन्दन से क्रय किया है, जो कार्यालय उपनिबन्धक मोहनलालगंज, लखनऊ में दिनांक 07.08. 2010 को पुस्तक संख्या-1, खण्ड संख्या-2240, केपृष्ठ संख्या-297/314, क्रमांक 4961 पर पंजीकृत है। विक्रेता उक्त भूमि अपने पूरे होशो हवास में बिना किसी जोर जबरदस्ती या दबाव के, क्रेता को इस विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेता उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि का मालिक, कामिल व काबिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेता ने उसे इस विक्रय के पूर्व कहीं बय, हिबा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अर्न्तगत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुर्क इत्यादि है। विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को उक्त विक्रय अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रू0 3,00,073/- (रूपया तीन लाख तिहत्तर मात्र) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त क्रेता द्वारा विक्रेता को इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेता यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता के हाथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विलेख के अन्त में अनुसूची के अर्न्तगत दिया गया है, को कतई बेच दिया

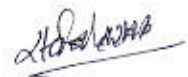
देशराज



है, एवं विक्रेता ने विक्रयशुदा भूमि का मौके पर कब्जा क्रेता को बखूबी करा दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रेता तथा उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेता ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए क्रेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेगा। विक्रेता उसमें किसी प्रकार की अड़चन बाधा नहीं डाल सकेगा एवं न ही कोई मांग कर सकेगा और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेता के स्वामित्व में त्रुटि के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या स्वत्व से निकल जाये तो क्रेता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान मय हर्जा व खर्चा, विक्रेता की चल, अचल सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल कर ले। उस स्थित में विक्रेता एवं उसके वारिसान हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होगी।

यह कि क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दाखिल खारिज राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा लें तो विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेता भुगतान व वहन करेगा, विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी।

देशराज



यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम माढरमऊ कला, तहसील-मोहनलालगंज के 'अतिविशिष्ट ग्राम' के अन्तर्गत आता है, जिसका निर्धारित सरकिल रेट रु0 18,00,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.071 हेक्टेअर की मालियत रु0 1,27,800/- होता है, चूंकि विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु0 21,100/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए क्रय की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मी0 के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से लगभग एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेता एवं क्रेता दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निबन्धन का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

लिहाजा यह विक्रय विलेख विक्रेता ने क्रेता के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आवें।

परिशिष्ट : विवरण विक्रयशुदा सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा संख्या-159 रकबा 0.071 हेक्टेअर, स्थित-ग्राम-माढरमऊ कला, परगना व तहसील-मोहनलालगंज, जिला लखनऊ।

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

कुल विक्रय मूल्य रु0 3,00,073/- (रुपया तीन लाख तिहत्तर मात्र) जरिये चेक संख्या-313918 दिनांकित 07.10.2010 पंजाब नेशनल बैंक, शाखा- हजरतगंज, लखनऊ,

देशराज



300,073.00/ 127,800.00 विक्रय पत्र 6,020.00 20 6,040.00 1,000
 फीस रजिस्ट्री नकल व प्रति शुल्क योग शब्द लगभग

प्रतिफल मासिक
 श्री देशराज
 पुत्र श्री स्व.भगवानदीन देशराज
 व्यवसाय कृषि
 निवासी स्थानीय ग्राम व पो.बरीना प.बिजनौर जिल-लखनऊ
 अस्थायी पता
 ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनांक 18/10/2010 समय 4:49PM
 दर्ज निदन्तन हेतु पेश किया। देशराज



रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर
 अशोक कुमार (प्रभारी)
 उ.नि.मोहनलालगंज
 लखनऊ
 18/10/2010

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजबूत व प्राप्त धनराशि रु. प्रलेखानुसार उक्त
 विक्रेता देशराज केता

श्री देशराज
 पुत्र श्री स्व.भगवानदीन
 पेशा कृषि
 निवासी ग्राम व पो.बरीना प.बिजनौर जिल-लखनऊ



श्री सर्वजीत
 पुत्र श्री दुर्जन
 पेशा व्यापार
 निवासी ग्राम व पो.347 कपरा मदारपुर मोहनलालगंज
 लखनऊ

अशोक कुमार (प्रभारी)

ने निष्पादन स्वीकार किया।

जिनकी पहचान श्री अजय कुमार
 राम प्रसाद अजय कुमार
 पेशा व्यापार

निवासी 1/205 जानकीपुरम लखनऊ

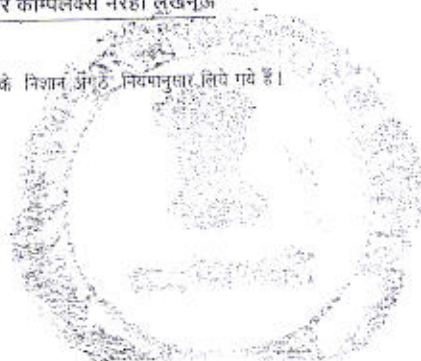
व श्री सुरेश
 पुत्र श्री राम प्रसाद

पेशा व्यापार

निवासी गंगसागर काम्पलेक्स नरही लखनऊ

ने की।

प्रत्यक्षतः भद्र राक्षियों के निशान अंगुठे निष्पादनाद लिए गये हैं।



रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर
 अशोक कुमार (प्रभारी)
 उ.नि.मोहनलालगंज
 लखनऊ
 18/10/2010

विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त किये तथा जिसकी प्राप्ति विक्रेता स्वीकार करता है।

नोट: भुगतान के विवरण में पेज संख्या-३ पर चेक संख्या पेन से लिखा गया है।

लखनऊ

दिनांक : 14.10.2010

गवाह अजय कुमार

1.

अजय कुमार ३/० राम प्रताप

1/205 जानसी प्रम. लेखन

देशराज
विक्रेता



2.

सुदेश ३/० राम प्रताप
पि. जंगल लागू कम्पलिसन
नरही लेखन

टाईपकर्ता

(राम सनेही)

सिविल कोर्ट, लखनऊ

क्रेता

मसविदाकर्ता

(मयंक श्रीवास्तव)
एडवोकेट

चिक्रेला

Registration No.: 6079

Year: 2,010

Book No.: 1

0101 देशराज

रघु.भगवानदीन

ग्राम व पो.बरौना प.बिजौरी जिल्ला-लखनऊ

कृषि



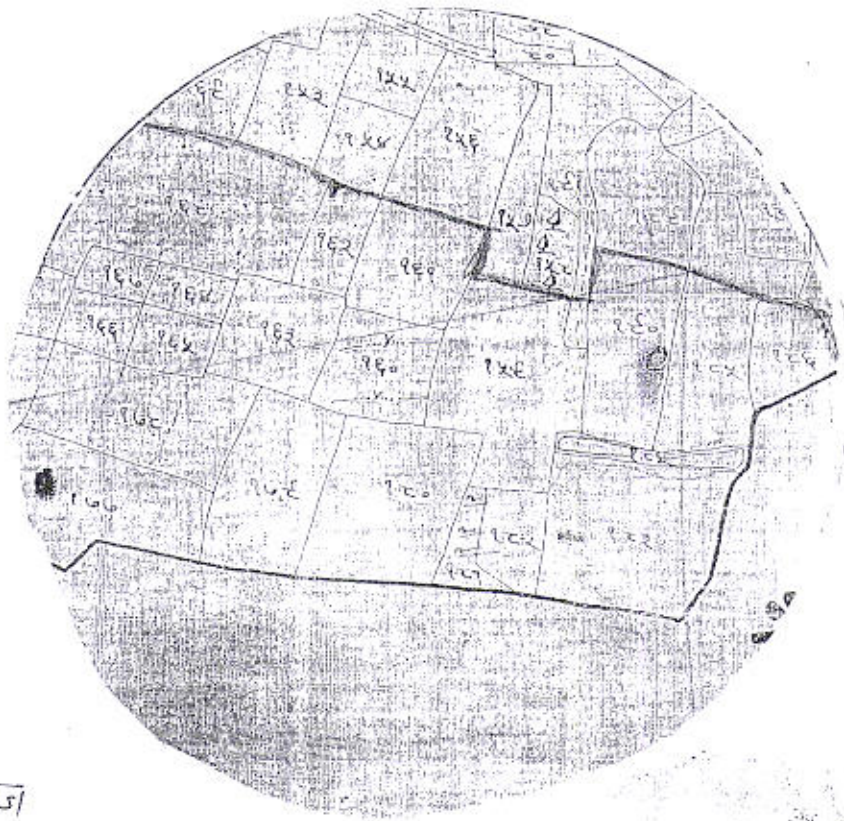
नवशा नजरी

खसरा सं० - 159

ग्राम - गट 2 मक कला

विक्रेता - दे 2121 ज

क्रेता - लवजीत



देशराज
विक्रेता


क्रेता

क्रेता

Registration No. : 6079

Year : 2,010

Book No. : 1

0201 सर्वजीत

दुर्जन

ग्राम द. पो. 347 कपेरा मदारपुर मोहनलालगंज लखनऊ

व्यापार



रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु
फिंगर्स प्रिन्ट्स

विक्रेता का नाम व पता:- देशराज पुत्र स्व0 भगवानदीन, निवासी-ग्राम व पोस्ट-बरौना,
परगना-बिजनौर, तहसील व जिला-लखनऊ।

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



देशराज

विक्रेता के हस्ताक्षर

क्रेता का नाम व पता- सर्वजीत पुत्र दुर्जन, निवासी- ग्राम व पोस्ट-347 कपेरा, मदारपुरा,
मोहनलालगंज, लखनऊ।

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



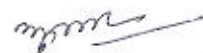
दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक 18/10/2010 को
वही सं. 1 जिल्द सं. 2295
पृष्ठ सं. 241 से 260 पर क्रमांक 6079
रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर



अशोक कुमार (प्रभारी)

उ.नि.मोहनलालगंज

लखनऊ

18/10/2010

